

चयनति तीन ज़िलों में 623 हेक्टेयर क्षेत्र में हुआ बाँसरोपण

चर्चा में क्यों?

11 अगस्त, 2022 को मध्य प्रदेश के वन मंत्री डॉ. कुँवर वजिय शाह ने बताया कि एक ज़िला-एक उत्पाद योजना में बाँस उत्पादन के लिये चयनति तीन ज़िलों- देवास, हरदा और रीवा में पछिले वर्ष 623 हेक्टेयर क्षेत्र में बाँस का रोपण कराया जा चुका है।

प्रमुख बदि

- वन मंत्री ने बताया कि तीनों ज़िलों में कृषि क्षेत्र में 263 हेक्टेयर क्षेत्र तथा मनरेगा योजना में 360 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में बासरोपण का कार्य शामिल है।
- इस वतित वर्ष के लिये इन तीनों ज़िलों में 1100 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र, वन क्षेत्र में मनरेगा योजना से 250 हेक्टेयर क्षेत्र और वन वभाग की योजनाओं में 750 हेक्टेयर क्षेत्र में बासरोपण का लक्ष्य दिया गया है।
- वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि एक ज़िला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश के 6 ज़िले वुडन क्लस्टर में चयनति किये गए हैं। इसमें बैतूल ज़िले में सागौन, अलीराजपुर एवं उमरिया ज़िले में महुआ और देवास, हरदा तथा रीवा ज़िले को बाँस उत्पादन के लिये शामिल किया गया है।
- बाँस के लिये चयनति इन तीन ज़िलों के लिये पाँचवर्षीय रोडमैप तैयार कर उपलब्ध बाँस संसाधनों के मुताबकि लक्ष्य निर्धारति किये गए हैं।
- बैतूल ज़िले को सागौन उत्पादन के लिये चयनति किया गया है। ज़िले में वुडन क्लस्टर के लिये भूमि चयन प्रक्रिया में है। वुडन क्लस्टर के लिये 71 नविश कलाओं द्वारा तकरीबन 87 करोड़ रुपए नविश कर इकाइयाँ चयनति की जाएंगी। इन इकाइयों से 1600 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोज़गार मलिया।
- इसी तरह अलीराजपुर और उमरिया ज़िले में महुआ उत्पाद के लिये हतिग्राहियों का चयन प्रक्रिया में है। इन दोनों ज़िलों में वनोपज के उत्पादन के लिये बाह्य स्थलीय वृक्षारोपण कराया जाएगा।